ISSN : 2229-5550

नाट्यम् 82-83

जुलाई-दिसम्बर, 2017

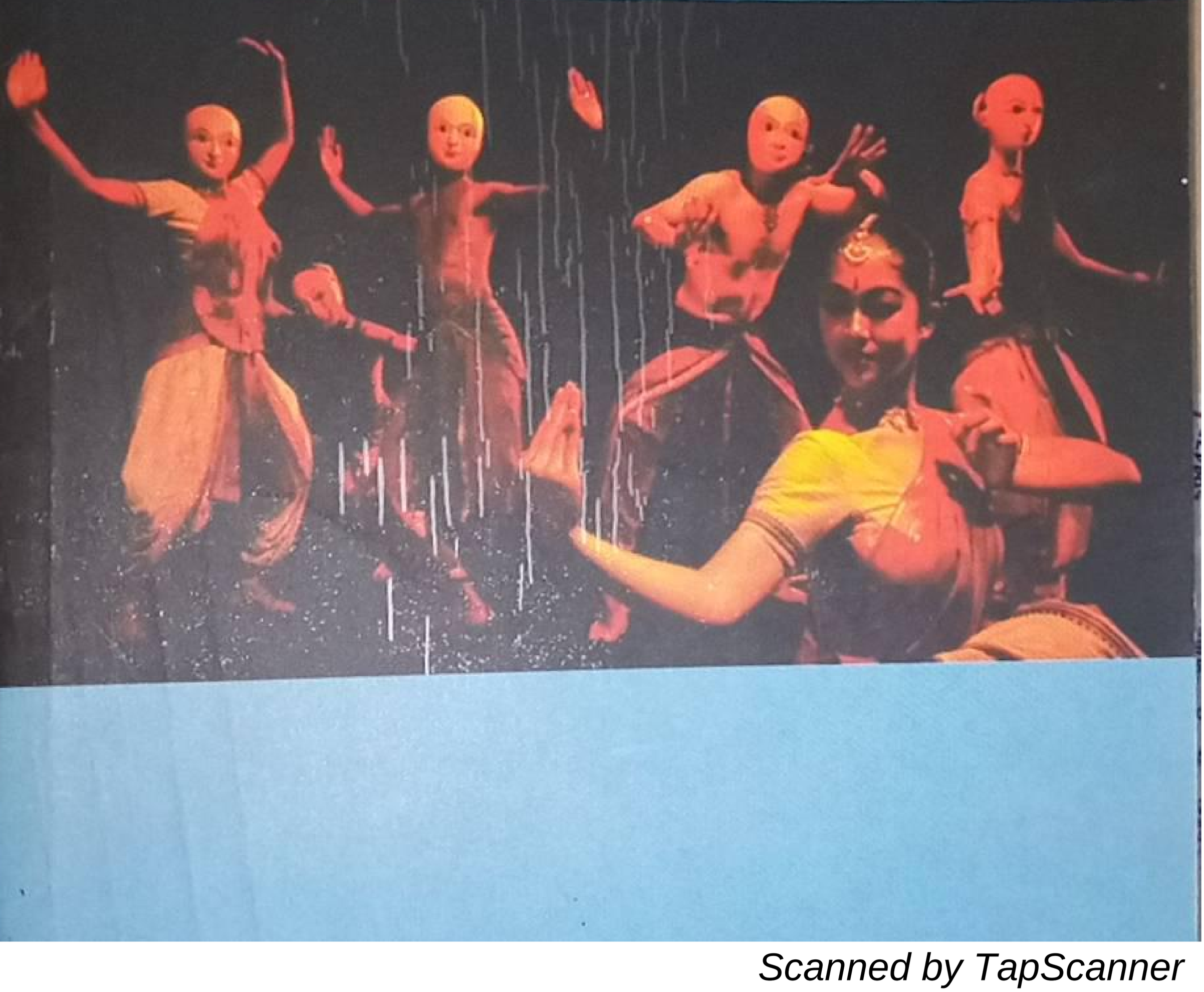

Scanned by TapScanner

नाट्यम् 82-83

जुलाई-दिसम्बर, 2017

Scanned by TapScanner

UGC Approved Journal Sr. No. 41002

ISSN : 2229-5550

नाट्यम् 82-83

जुलाई-दिसम्बर, 2017

रंगमंच एवं सौन्दर्यशास्त्र की त्रैमासिक शोधपत्रिका

संस्थापक एवं प्रधान संपादक

राधावल्लभ त्रिपाठी

संपादक

आनन्दप्रकाश त्रिपाठी

प्रबन्ध संपादक

सञ्जय कुमार

संपादक मण्डल

नौनिहाल गौतम

रामहेत गौतम

शशिकुमार सिंह

किरण आर्या

प्रकाशक

नाट्य परिषद्, संस्कृत विभाग

डाक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (म.प्र.)

(केन्द्रीय विश्वविद्यालय)

Scanned by TapScanner

नाट्यम्
रंगमंच एवं सौन्दर्यशास्त्र की त्रैमासिक शोध पत्रिका,
अंक : 82-83, जुलाई-दिसम्बर, 2017
ISSN : 2229-5550
नाट्य परिषद् (पंजीकरण क्र. 100066)
संस्कृत विभाग, डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (म.प्र.)
दूरभाष-फैक्स (कार्यालय) 07582-264366 पिन-470 003

Natyam : A Quarterly Journal of theatre and aesthetics
published by Natya Parisad. Deptt. of Sanskrit,
Doctor Harisingh Gour University, Sagar,
Madhya Pradesh-Pin-470 003. India.
Phone-Fax (off.) : 07582-264366

सदस्यता शुल्क :
प्रत्येक अंक - 25/- रु., वार्षिक - 100/- रु.
आजीवन (प्रति व्यक्ति) - 1000/- रु.
आजीवन (प्रति संस्था) - 5000/- रु.

यह शुल्क मनीआर्डर, चेक या नगद दिया जा सकता है
जो नाट्य परिषद् सागर के नाम देय होगा।

पत्रव्यवहार :
प्रो. आनन्दप्रकाश त्रिपाठी
अध्यक्ष, संस्कृत विभाग
डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (म.प्र.) 470003
e-mail : sanskritsagar1946@gmail.com
© सर्वाधिकार सुरक्षित

मुद्रण : अजय जैन, **अमन प्रकाशन** नमक मंडी,
कटरा, सागर (म.प्र.) मो. 9826434225

नाट्यम् में प्रकाशित नाटकों के अनुवादों/रूपान्तरों या किसी भी अन्य सामग्री की किसी भी रूप में प्रस्तुति के लिए *नाट्य परिषद्* से अनुमति प्राप्त करना आवश्यक है।
प्रकाशित रचनाओं की रीति-नीति अथवा विचारों से *नाट्य परिषद्*, संपादक या संपादक मंडल की सहमति अनिवार्य नहीं है।

सूचना - आजीवन ग्राहकों को डाक व्यय 250 रु. (दो सौ पचास रूपये मात्र) पर नाट्यम् के उपलब्ध पुराने अंक भी निःशुल्क देय हैं।

Scanned by TapScanner

अनुक्रम

विरासत -

1. उत्तररामचरित के विविध पक्ष 9
रामजी उपाध्याय

2. हर्ष के रूपकों की भाषा शैली एवं अभिनेयता 40
गोकुलप्रसाद त्रिपाठी

सम्वाद -

3. नाट्यशास्त्र के मर्मज्ञ प्रो. विश्वनाथ भट्टाचार्य से सारस्वत संवाद 76
वत्सला

मूल्यांकन -

4. संस्कृत रंगमंच : परम्परा तथा सम्भावनाएँ 89
जनार्दनप्रसाद पाण्डेय 'मणि'

5. नाट्य परम्पराः आदि से अद्यतन 94
लक्ष्मी पाण्डेय

6. नाट्यशास्त्रीय परम्परा में रसानुभूति 105
पूनम यादव

7. आधुनिक संस्कृत रुपक साहित्य की मुख्य प्रवृत्तियाँ 112
कपिल गौतम

8. अभिज्ञानशाकुन्तल 125
बसन्त कुमार भट्ट

9. शम्बूकाभिषेकम् में शम्बूक 139
आनन्द कुमार श्रीवास्तव

10. सांस्कृतिक राष्ट्रवाद से ऊर्जस्वित वीरप्रतापनाटक 146
अजय कुमार मिश्र

Scanned by TapScanner

11. तपतीसंवरण नाटक में अलंकार विधान
सन्दीप कुमार यादव 151

12. विदग्धमाधवम् का नाट्यशिल्प
प्रभात कुमार 163

13. कृष्णभक्तिचन्द्रिका का नाट्य वैशिष्ट्य
अमरेश यादव 172

14. हरिश्चन्द्रचरितम् नाटक में रस परिपाक
प्रदीप दुबे 178

15. तण्डुलप्रस्थीयम् में मानव मूल्य
राजेन्द्र प्रसाद 185

Scanned by TapScanner